नागरिक चार्टर

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत

नई दिल्ली

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत (एनबीटी), उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सन् 1957 में स्थापित एक स्वायत्त संगठन है। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास का उद्देश्य अंग्रेजी, हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं में उत्तम साहित्य के प्रकाशन व उत्पादन को प्रोत्साहित करना तथा इस प्रकार के साहित्य को पाठकों तक साधारण मूल्यों पर उपलब्ध करवाना है। साथ ही, पुस्तक सूचियां तैयार करना, पुस्तक मेलों/प्रदर्शनियों व संगोष्ठियों का आयोजन करना तथा पुस्तकों के प्रति लोगों में आकर्षण बढ़ाने हेतु सभी आवश्यक कदम उठाना है।

प्रकाशन अधिदेश

हम सभी भारतीय भाषाओं में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, सामाजिक विज्ञान, जीवनियां व आत्मकथाएं, नव-साक्षरों और बच्चों के लिए पुस्तकें, भारत देश और लोग, सृजनात्मक शिक्षा तथा पर्यावरण जैसी विभिन्न शैलियों में पुस्तकें प्रकाशित करते हैं। इसके अतिरिक्त, हम जनजातीय भाषाओं और लोकप्रिय बोलियों में बच्चों के लिए चुनिंदा पुस्तकें भी प्रकाशित करते हैं। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास उन विधाओं पर विशेष ध्यान देता है जो विशेष रूप से सामान्य पाठकों के लिए डिजाइन की गई हैं व अन्य प्रकाशकों द्वारा पर्याप्त रूप से प्रकाशित नहीं की जाती हैं । हम दृष्टिबाधित दिव्यांगों के लिए भारतीय भाषाओं में ब्रेल लिपि में भी पुस्तकें प्रकाशित करते हैं। नई शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप चुनिंदा पुस्तकों के द्विभाषी संस्करण भी प्रकाशित किए जाते हैं। हमारे विस्तृत प्रकाशन प्रोफाइल हेतु कृपया www.nbtindia.gov.in पर जाएं और सूचीपत्रों को देखें।

किसी पाण्डुलिपि को कैसे प्रकाशित करवाया जाए से संबंधित सूचना हेतु अनुलग्नक - 1 देखें ।

प्रस्ताव/पांडुलिपि कैसे जमा करें

- 10 से कम पृष्ठों वाली पांडुलिपि ई-मेल के माध्यम से जमा की जा सकती है। 10 से अधिक पृष्ठों वाली पांडुलिपियों की हार्ड कॉपी निदेशक, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत, को संबोधित कर भेजें।
- कृपया अपने प्रावरण पत्र पर उस पुस्तकमाला के नाम का उल्लेख करें जिसके अंतर्गत आप पांडुलिपि जमा कर रहे हैं। पुस्तकमालाओं से संबंधित में विवरण www.nbtindia.gov.in पर देखे जा सकते हैं।

पूर्ण पांडुलिपि 'डबल स्पेस' में टाइप की हुई होनी चाहिए तथा पृष्ठ भी क्रमांकित होने चाहिए। तथापि, यह परामर्श दिया जाता है कि प्रारंभ में केवल सारांश, अध्याय योजना तथा एक या दो नमूना अध्याय ही भेजे जाएँ।

क्या प्रकाशित नहीं किया जाता

न्यास द्वारा सभी आयु-वर्ग के पाठकों के लिए समकालीन काव्य प्रकाशित नहीं किया जाता है। समकालीन उपन्यास एवं नाटक भी प्रकाशित नहीं किए जाते हैं, तथापि, चुनिंदा कहानियों व निबंधों का चयन करके संकलन के रूप में प्रकाशित किया जाता है। प्रख्यात लेखकों के प्रमुख उपन्यासों एवं नाटकों का अनुवाद आदान-प्रदान पुस्तकमाला के अंतर्गत प्रकाशित किया जाता है।

सामान्य दिशानिर्देश

- पांडुलिपि भेजने से पहले कृपया यह उल्लेख करें कि क्या यह लेखन कार्य मूल है अथवा यह राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा प्रकाशित किया जा चुका है अथवा यह लेखन कार्य किसी अन्य प्रकाशक द्वारा प्रकाशित किया जा चुका है?
- कृपया पांडुलिपि की एक प्रति अपने पास अवश्य रखें। पांडुलिपि की स्वीकृति/अस्वीकृति के संबंध में सूचना ई-मेल के माध्यम से भेजी जाएगी। अतः कृपया अपने प्रस्ताव में अपने ई-मेल तथा दूरभाष संख्या का भलीभांति उल्लेख करें।
- पांडुलिपियों को जमा करवाने की अवधि वर्ष में तीन बार यथा दिनांक 01 से 30 अप्रैल तक; 01 से 30 सितंबर तक तथा 01 से 31 दिसंबर तक होती है। उल्लिखित अवधि के दौरान प्रस्तुत प्रस्तावों/पांडुलिपियों को ही प्राथमिकता दी जाएगी।
- पांडुलिपि/प्रस्ताव की पावती ई-मेल/पत्र के माध्यम से दी जाती है।
- प्राप्त पांडुलिपियों/प्रस्तावों की विषय सामग्री को प्रारंभिक मूल्यांकन के लिए संबंधित पुस्तकमाला के संपादक को दिया जाता है। पांडुलिपि पर आंतरिक समीक्षा होने के पश्चात इसे समीक्षा के लिए विषय विशेषज्ञ के पास भेजा जाता है। समीक्षक से समीक्षा प्राप्त होने पर उसकी की जांच की जाती है तथा लिए गए निर्णय की सूचना लेखक को दी जाती है।

अनुवाद :

भारतीय पाठकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए और संस्कृति एवं साहित्य के आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करने के लिए, हम विभिन्न भारतीय भाषाओं में अपनी पुस्तकों के अनुवाद प्रकाशित करते हैं। अब तक हम 55 से अधिक भाषाओं में अपनी पुस्तकों के अनुवाद प्रकाशित कर चुके हैं।

रॉयल्टी :

अपने अधिदेश और नीति के अनुसार, पांडुलिपि प्रकाशन के लिए स्वीकार किए जाने के बाद, हम अपने लेखकों के साथ रॉयल्टी या एकमुश्त भुगतान, जैसा भी मामला हो, के लिए अनुबंध करते हैं।

ई-बुक्स :

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास अब ई-प्रकाशन के क्षेत्र में भी कार्य कर रहा है। इसकी लगभग 100 पुस्तकें ई-प्रारूप (e-pub 3.0) में उपलब्ध हैं जिनका उद्देश्य मुख्य रूप से भारतीय डायस्पोरा और तकनीक की समझ रखने वाले युवाओं की मांगों को पूरा करना है। ई-पुस्तकें अंग्रेजी, हिंदी के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं में उपलब्ध हैं और इन्हें मोबाइल, टेबलेट्स आदि जैसे एंड्रॉइड सक्षम उपकरणों के माध्यम से एक्सेस किया जा सकता है।

वित्तीय सहायता कार्यक्रम :

विदेशों में भारतीय लेखन को प्रोत्साहित करने हेतु राष्ट्रीय पुस्तक न्यास का एक 'वित्तीय सहायता कार्यक्रम' है जिसमें राष्ट्रीय पुस्तक न्यास विदेशी प्रकाशकों को मूल भारतीय भाषाओं के विदेशी भाषाओं में अनुवाद के लिए वित्तीय सहायता के रूप में उपयुक्त प्रोत्साहन प्रदान करता है। इस कार्यक्रम में शब्दकोशों, पत्रिकाओं, विद्यालयों /महाविद्यालयों के लिए पाठ्यपुस्तकों व आयुर्विज्ञान, शुद्ध और अनुप्रयुक्त विज्ञान, अभियांत्रिकी, व्यवसाय प्रशासन आदि जैसे पेशेवर पाठ्यक्रमों को छोड़कर कथा-

साहित्य, कथेतर साहित्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा बच्चों के लिए पुस्तकों की व्यापक श्रेणियां सम्मिलित हैं।

राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र :

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा वर्ष 1993 में राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र (एनसीसीएल) की स्थापना विभिन्न भारतीय भाषाओं में बाल साहित्य के प्रकाशन की निगरानी, समन्वय, योजना और सहायता के लिए की गई थी। रा.बा.सा.कें. रीडर्स क्लब की स्थापना को प्रोत्साहित करके विद्यालयी स्तर पर पठन की आदत को बढ़ावा देने के लिए कार्यशालाओं व प्रदर्शनियों का आयोजन करता है। अभी तक देशभर में करीब 1.30 लाख रीडर्स क्लब हैं। सभी प्रासंगिक सूचनाओं हेतु राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की वेबसाइट (http://www.nbtindia.gov.in), पूरी तरह से कार्यात्मक और व्यापक है। । रा.बा.सा.कें. की गतिविधियों और पाठक क्लबों के बारे में विस्तृत जानकारी वेबसाइट पर उपलब्ध है। रा.बा.सा.कें. पुस्तकालय डेलनेट से लिंक है और एनसीसीएल पुस्तकालय की पुस्तकें ई-ग्रंथालय डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं।

अनुदान-सहायता

पुस्तक प्रोन्नयन गतिविधियों के आयोजन के लिए अनुदान सहायता (जीआईए) एक ऐसी योजना है जिसमें पंजीकृत गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) को किसी भी प्रकार के पठन प्रचार से संबंधित कार्यक्रम के आयोजन के लिए वितीय सहायता प्रदान की जाती है।

पुस्तक प्रकाशन पाठ्यक्रम

प्रकाशन उद्योग के लिए प्रशिक्षित पेशेवरों का समूह तैयार करने हेतु राष्ट्रीय पुस्तक न्यास पुस्तक प्रकाशन में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करता है। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास चुनिंदा विश्वविद्यालयों के सहयोग से देश के अन्य भागों में प्रकाशन में अल्पकालिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी आयोजित करता है। यह पाठ्यक्रम अब ऑनलाइन माध्यम से आयोजित किया जाता है। पाठ्यक्रम में नामांकन/प्रतिभागिता की प्रक्रिया के लिए राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की वेबसाइट www.nbtindia.gov.in देखें।

भारत तथा विदेशों में पुस्तक प्रोन्नयन गतिविधियाँ

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास भारत और विदेशों में पुस्तकों के प्रोन्नयन के लिए नोडल निकाय के रूप में पूरे देश में पुस्तक मेलों और प्रदर्शनियों का आयोजन करके पुस्तकों और पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

घरेलू/क्षेत्रीय पुस्तक मेले

देशभर के विभिन्न राज्यों में साहित्यिक कार्यक्रमों/बाल गतिविधियों के आयोजन सहित न्यास पूर्वोत्तर, अनुसूचित जनजाति और अन्य क्षेत्रों सहित भारत के विभिन्न शहरों में घरेलू पुस्तक मेलों/प्रदर्शनियों का आयोजन करता है।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला :

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला :

न्यास प्रतिष्ठित वार्षिक नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले का आयोजन करता है, जो एफ्रो-एशियाई क्षेत्र में सबसे बड़ा पुस्तक उत्सव है। पिछले चार दशकों से अधिक समय में नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले ने अपने महत्त्व और पहुँच के कारण अंतरराष्ट्रीय प्रकाशकों के मध्य उच्च प्रतिष्ठा अर्जित की है।

विदेशों में भारतीय पुस्तकों का प्रचार :

विदेशों में भारतीय प्रकाशन को प्रोत्साहित करने हेतु न्यास देशभर में विभिन्न भारतीय प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित प्रतिनिधि भारतीय प्रकाशनों की सामूहिक प्रदर्शनी लगाकर विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेलों में भाग लेता है। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास ने वर्ष 1970 से फ्रैंकफर्ट, बोलोना, जेरूसलम, सियोल, शारजाह, अबूधाबी, बीजिंग, कोलंबो, टोक्यो, बैंकॉक, मिन्स्क, जकार्ता, कुआलालंपुर, सिंगापुर, पेरिस, वारसॉ, मैक्सिको, लंदन आदि सहित विभिन्न प्रमुख अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेलों में भाग लिया है।

सम्मानित अतिथि प्रस्तुतियाँ :

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेलों में भारत के सम्मानित अतिथि देश प्रस्तुतीकरण (जीएचपी) का समन्वय करने वाली नोडल एजेंसी है। प्रस्तुतियों के भाग के रूप में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास विदेशों में भारतीय लेखन को प्रोत्साहित करने के लिए संगोष्ठियों, चर्चाओं, पठन सत्रों व लेखकों की प्रस्तुतियों सहित कई साहित्यिक कार्यक्रमों का समन्वय करता है। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास भारतीय संस्कृति प्रकाशन उद्योग को प्रदर्शित करने वाला एक बड़ा भारतीय मंडप भी प्रस्तुत करता है। अब तक फ्रैंकफर्ट, मॉस्को, बीजिंग, सियोल, हवाना, सिंगापुर, अबूधाबी, ग्वालाहारा और पेरिस में इंडिया गेस्ट ऑफ ऑनर प्रेजेंटेशन आयोजित किए जा चुके हैं।

विक्रय

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास उचित मूल्य पर पुस्तकें प्रकाशित करता है, जो राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के पुस्तक विक्रय केंद्रों व वितरकों तथा राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की वेबसाइट (www.nbtindia.gov.in) के माध्यम से ऑनलाइन उपलब्ध हैं। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास प्रकाशनों की ऑनलाइन खरीद के लिए अनुलग्नक-II देखें। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास चल प्रदर्शनी वैन (पुस्तक परिक्रमा), देशभर में अपने पुस्तक विक्रय केंद्रों और अपनी वेबसाइट व अमेज़न के माध्यम से ऑनलाइन बिक्री के ज़रिए लोगों के द्वार तक पुस्तकें उपलब्ध करवाता है। रीडर्स क्लब सदस्य के रूप में नामांकन के लिए अनुलग्नक-III देखें।

अनुलग्नक-II

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास प्रकाशनों का ऑनलाइन क्रय

http://www.nbtindia.gov.in → **मेरा खाता** →

लॉगिन (आपके पास कोई प्रयोक्ता आईडी और पासवर्ड है) एवं **खाता बनाएं** (यदि आपके पास कोई प्रयोक्ता आईडी और पासवर्ड नहीं है)

क्रय करें

ऑनलाइन आदेश

अब क्रय करें पर क्लिक करके शीर्षक चुनें

यदि आप और पुस्तकें चुनना चाहते हैं तो शॉपिंग जारी पर क्लिक करें।

यदि आप केवल एक शीर्षक क्रय करना चाहते हैं तो व्यू शॉप कार्ट पर क्लिक करें

कार्ट को अद्यतन करें और बाहर आएं

अपना बिलिंग का पता प्रविष्ट करें

अपना **शिपिंग का पता** प्रविष्ट करें →

आदेश का पुनर्विलोकन करें

मैं **निबंधन एवं शर्तों से** सहमत हूँ, पर टिक करें

आदेश दें और ऑनलाइन भुगतान करें

डेबिट कार्ड या क्रेडिट कार्ड को चुनें और भुगतान करें

भुगतान के पश्चात, आईडी सृजित होती है व ईमेल में स्वत: प्राप्त होती है और सदस्यता कार्ड भारतीय डाक द्वारा भी प्रेषित किया जाता है।

अनुलग्नक-III

किताब क्लब का सदस्य कैसे बनें

http://www.nbtindia.gov.in

मेरा खाता ➡

लॉगिन (यदि आपके पास कोई प्रयोक्ता आईडी और पासवर्ड है) एवं **खाता बनाएं** (यदि आपके पास कोई प्रयोक्ता आईडी और पासवर्ड नहीं है)

पाठक क्लब

➡ **किताब क्लब**

सदस्य बनें

⬇

विकल्प को चुनें - **व्यक्तिगत/संस्थागत**

⬇

किताब क्लब की सदस्यता हेतु प्रपत्र

⬇

भुगतान करें

⬇

भुगतान करने हेतु अग्रसर होने को पुष्टि करें (यदि आप किसी अन्य जानकारी में कोई परिवर्तन नहीं करना चाहते हैं)

⬇

डेबिट कार्ड या क्रेडिट कार्ड का चयन करके भुगतान करें

क्षेत्रीय कार्यालय एवं पुस्तक प्रोन्नयन केंद्र

राष्ट्रीय पुस्तक न्यास ने 12वीं पंचवर्षीय योजना अवधि (2012-2017) के दौरान बेंगलुरु, मुंबई एवं कोलकाता में क्षेत्रीय कार्यालयों के अतिरिक्त राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में पुस्तक प्रोन्नयन केंद्र स्थापित किए हैं। ये केंद्र साहित्यिक गतिविधियों, बच्चों के कार्यक्रमों और 7 पुस्तक विमोचन समारोहों के आयोजन हेतु चिन्हित किए गए क्षेत्र हैं। इनमें राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के पुस्तक विक्रय केंद्र भी स्थापित किए गए हैं और इनके पास चल वैन भी हैं जो ग्रामीण क्षेत्रों की आवश्यकताएं पूरी करेंगी। पुस्तक प्रोन्नयन गतिविधियों हेतु यह एक महत्वपूर्ण केंद्र है। ये केंद्र अगरतला, गुवाहाटी, चेन्नई, हैदराबाद, पटना, कोच्चि और कटक में खोले गए हैं। लखनऊ और भोपाल के पुस्तक प्रोन्नयन केंद्र प्रक्रियाधीन हैं।

जनसंपर्क

जनसंपर्क अनुभाग, देश के नॉलेज पार्टनर के रूप में राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत की समस्त गतिविधियों का संचार के माध्यमों का उपयुक्त प्रकार से उपयोग करते हुए इलैक्ट्रॉनिक तथा प्रिंटमीडिया सहित वेबसाइट के माध्यम से प्रचार-प्रसार तथा प्रोन्नयन करता है।

जर्नलों का प्रकाशन

पुस्तक संस्कृति : न्यास वर्ष 2016 से 'पुस्तक संस्कृति' नामक त्रैमासिक हिंदी पत्रिका प्रकाशित कर रहा है जिसमें पुस्तकों से संबंधित विभिन्न रोचक विषयों पर और समाज के सामयिक विषयों से संबंधित लेख प्रकाशित किए जाते हैं।

एनबीटी न्यूज़लैटर (अंग्रेजी) : प्रकाशन उद्योग सहित न्यास की गतिविधियों की सूचना उपलब्ध करवाने वाला न्यूज़लैटर है।

रीडर्स क्लब बुलेटिन : बच्चों में पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करने के लिए प्रकाशन के क्षेत्र में विकास से संबंधित जानकारी साझा करने के लिए बच्चों के लिए बुलेटिन है।

भर्ती

वर्ष 2005 में स्वीकृत की गई भर्ती नियमावली के अनुसार राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत की नियमित संख्याशक्ति 275 है। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास हाथ में लिए गए कार्य की मात्रा को निष्पादित करने हेतु निविदा प्रक्रिया के माध्यम से चयनित स्वीकृत तृतीय पक्ष जनशक्ति एजेंसी के माध्यम से कार्मिकों को अनुबंध के आधार पर नियुक्त करता है।

- **सीधी भर्ती/प्रतिनियुक्ति के पदों पर** : पदों के विज्ञापन 'रोजगार समाचार' में दिए जाते हैं। जब कभी भी कोई रिक्ति होती है तो उसका विज्ञापन उस पद से संबंधित शर्तों और निबंधनों सहित सोशल मीडिया सहित राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जाता है।
- **अनुबंधात्मक पद** : ये पद कार्य की आवश्यकताओं के अनुसार अस्थायी आधार पर भरे जाते हैं। इस प्रकार के पदों को राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर व्यापक रूप से परिचालित किया जाता है।
- **स्थानांतरण नीति** : राष्ट्रीय पुस्तक न्यास में कार्मिकों के सामान्य रूप स्थानांतरण से संबंधित कोई प्रावधान नहीं है। तथापि कार्मिकों को कार्य की आवश्यकतानुसार सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से स्थानांतरित किया जा सकता है।

शिकायत एकांश :

शिकायतों का निपटान करने के लिए सूचना का अधिकार और सतर्कता एकांश हैं। महिलाओं की सुरक्षा के लिए कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध व निवारण) अधिनियम, 2013 के अनुसार आंतरिक शिकायत समिति गठित की गई है।

विविध

संगठन के दिन-प्रतिदिन के कार्यों एवं गतिविधियों को पूर्ण करने के लिए विभिन्न अनुभाग यथा संपादकीय अनुभाग जहाँ संपादक 13 भारतीय भाषाओं में कार्य करते हैं, प्रदर्शनी अनुभाग, स्थापना, प्रशासन, विक्रय, भंडार, लेखा, उत्पादन, कला एकांश, जनसंपर्क एकांश, कंप्यूटर एकांश, राजभाषा एकांश एवं सूचना का अधिकार/विधिक एकांश हैं।